शत्रु को हराकर

अनुच्छेद लेखन

6. भारत के गाँव

जब किसी शहर से बाहर निकलते हैं, तो सड़क के दोनों ओर लहलहाते खेत देखकर मन आनंदित हो जाता है। शहरों की भीड़-भाड़ और शोर भरे वातावरण के विपरीत गाँव का जीवन अत्यंत शांत और सरल दिखाई देता है। आज भी भारत के गाँवों में देश की लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या बसती है। किसान सुबह-सवेरे खेतों की ओर निकल पड़ते हैं। पक्षियों की चहचहाहट व हरे-भरे खेत देखकर किसका मन वहीं रुक जाने को नहीं करता? सरकार द्वारा गाँवों की उन्नति के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे गाँवों के वातावरण में बदलाव आ रहा है। गाँव तेज़ी से शहरीकरण की ओर बढ़ रहे हैं, परंतु कुछ गाँवों में अभी भी सुधार की आवश्यकता है। गाँवों में देश की आत्मा बसती है। हम सभी को गाँवों में होने वाले सुधार-कार्यों के लिए जो भी योगदान हो सके, अवश्य देना चाहिए तथा गाँवों को संपूर्णत: आत्मनिर्भर बनाना चाहिए, ताकि गाँववाले उसे छोड़कर शहरों की ओर न भागें।